पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 4, अंक 38 माह - मई 2022, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥विचार समिति॥

(स्थापना वर्ष 2003)

महावीर जयंती पर शोभायात्रा का विचार समिति द्वारा स्वागत

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

गुलझारीलाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 4, अंक - 38, मई - 2022

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

इस अंक में

1. सामाजिक परिवेश में महिलाओं की भूमिका ..4
2. महिला सशक्तिकरण की दिशा में देश को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध 5
3. भगवान श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों को नहीं त्यागा 9
4. अहिंसा का मार्ग अपना कर दुनिया को बचाया जा सकता है 10
5. भगवान हनुमान जी की भक्ति करने से सभी संकटों का अंत होता है 11
6. कपिल मलैया जी को व्यापार प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक बनाया 12
7. रोजगार की तलाश कर लोगों को व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करें 13
8. बुजुर्गों के कल्याण के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस और विचार समिति में समन्वय 15
9. विचार समिति की नई टीम का गठन 16
10. तैयार हैं आपके घर को सजाने गोमय दिये .18
11. ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में लगाया समिति ने इंटर इनवाइट स्टॉल 19
12. समिति द्वारा इंटर्नशिप में रिसर्च पर वर्चुअल माध्यम से दिया जा रहा प्रशिक्षण 20
मीडिया कवरेज :- 21

सामाजिक परिवेश में महिलाओं की भूमिका

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष
विचार समिति

विश्व सभ्यता की शुरुआत जननी से हुई है। उसके स्वरूप की पहचान कभी मां, बहन, पत्नी और पुत्री के रूप में हुई है। जननी ने जीवन को इतने रंगों से भरा पूरी दुनिया रंगीन बनी रही। उसने अपने समर्पण से कभी घर संभाला, कभी बच्चे, अपने हक के लिए उसने उठाए हथियार। मानव सभ्यता का इतिहास कितना भी लंबा रहा हो पर मैं किसी भी कालखंड को देखती हूं तो स्त्री को शोषित ही पाती हूं। मन में प्रश्न आता है ऐसा क्यों?

क्या आज के समय को देखते हुए हम यह कह सकते हैं कि 21वीं सदी में महिलाएं उस स्थिति में है जिसकी वे हकदार हैं? हम सिद्धांतों में तो बहुत उच्च स्तर पर हैं पर व्यवहारिक जीवन में अब भी शारीरिक रूप से तो कहीं सामाजिक और मानसिक रूप से शोषित और तनावग्रस्त ही है। परिवार में निर्णय तो ले लिए जाते हैं उनसे पूछे बगैर? हम उस व्यवस्था में झांक कर क्यों नहीं देखते जो अपने आप में आज भी कुंठित और ग्रसित है। इतिहास के पन्ने में दर्ज स्थिति को मान भी लें कि वह समय विशेष की मांग रही होगी पर आज भी हम उसी स्थिति में क्यों रहे? मैं किसी बड़े बदलाव को नहीं कह रही। मैं ऐसे परिवारों को देखती हूं जहां अंत में बेटियां ही मां-बाप, सास-ससुर का साथ देती है। आज भी लड़कों की अपेक्षा बेटियों को कम ही आंका गया है।

मैं अक्सर देखती हूं पति या बच्चों के व्यवसाय में घाटा हो, खेती किसानी में पति को नुकसान हुआ हो? घर में किसी भी प्रकार की समस्या हो? हर एक सदस्य के चेहरे पर मुस्कान और संतोष बनाए रखने की कोशिश करती हैं महिलाएं और स्वयं तनावग्रस्त हो जाती हैं। भारतीय समाज में जब मैं नारी को मूल्यांकित करती हूं तो भारतीय नारी पढ़ी लिखी हो या अनपढ़ उनका योगदान सराहनीय है। इन सभी समस्याओं के उपाय हैं आप सभी पूरे परिवार के सदस्य मिलकर समस्याओं को सुलझाएं। इसमें कोई शक नहीं है कि आज बेटियां घर भी संभाल रही है तो सामाजिक सेवा कर रही है। नौकरी से लेकर डॉक्टर हैं, वकील हैं, पुलिस है, सैनिक हैं, विधायक के साथ मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री भी रह चुकी हैं। आप उनको अवसर दें कि अपने को पहचानें। इस दुनिया को युद्ध से नहीं प्रेम से जीता जा सकता है। हमारा प्रयास है हर बेटी आत्म गौरव के साथ आगे बढ़े इसके लिए इससे अच्छा उदाहरण क्या हो सकता है कि **मोहल्ला विकास योजनाओं में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की भूमिका कई प्रतिशत अधिक है वे समन्वयक,पालक, सदस्य और पथ प्रदर्शक है।** आप सभी स्वस्थ और खुश रहें ।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में देश को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

भारत की महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। यह बात एक बार नहीं, लाखों बार साबित हो चुकी है। बस जरूरत है तो परिवार और सरकार के सपोर्ट की। इसके लिए सरकार भी बड़े कदम उठा रही है। सरकार ऐसी कई योजनाएं लेकर आई है, जो सिर्फ महिलाओं के लिए हैं।

नीलम
(MMC, LL.B)
दिल्ली

महिला सशक्तिकरण की दिशा में देश को आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसका लाभ बड़े पैमाने पर महिलाओं को मिल भी रहा है। सरकार की मंशा है कि अब महिलाओं को पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाया जाए। वैसे भी हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती जा रही है। हम आपको बताने जा रहे हैं सरकार की ओर से लागू की गई उन योजनाओं के बारे में जिनका आप आसानी से लाभ उठा सकते हैं।

केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने मिलकर देश के नागरिकों के लिए बहुत सी योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें कुछ योजना किसानों के लिए और कुछ योजना देश के युवाओं के लिए हैं। इसके साथ ही बहुत सी योजनाएं महिलाओं के लिए भी हैं। आज हम आपको महिलाओं के लिए सरकारी योजना क्या-क्या हैं इसके अंतर्गत कुछ योजनाओं की जानकारी देंगे जो महिलाओं के लिए लागू की गईं हैं। इसके माध्यम से महिलाएं भी अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं जो वो करना चाहती हैं इन योजनाओं के माध्यम से कर सकती हैं। जैसे कड़ाई , बुनाई या सिलाई जो उनकी रूचि होगी और वे ये काम करना चाहती होंगी तो इन योजनाओं के माध्यम से कर सकती हैं।

इन योजनाओं से सरकार का उद्देश्य है

कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। लड़कियों को समाज में कम सम्मान दिया जाता है। बचपन से ही उन्हें घर के बाहर जाने नहीं दिया जाता इसलिए समाज में उन्हें पुरुषों के समान सम्मान दिलाने के लिए योजना लागू की गईं हैं। जिससे महिलाएं भी पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ सके। समाज में लड़कियों के प्रति नजरिया बदल सके, लड़कियों को बोझ न समझा जाये इसके लिए भी योजनाएं है जिसकी जानकारी हम आपको देने जा रहे हैं।

महिलाओं के लिए सरकारी योजना क्या है ?

महिलाओं के लिए जो योजना है आज हम उसकी जानकारी आपको देंगे जिससे आप उसका लाभ उठा पाएंगे। आप इन योजनाओं का लाभ आसानी से ले सकते हैं इसके लिए आप नीचे दी गई जानकारी का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें।

1. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना।
2. CBSE उड़ान स्कीम।
3. सुकन्या समृद्धि योजना।
4. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना।
5. सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना।
6. फ्री सिलाई मशीन योजना।
7. प्रधानमंत्री समर्थ योजना।
8. हरियाणा की लाड़ली योजना।
9. मध्य प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मी योजना।
10. UP BC Sakhi Yojana

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना -

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना केंद्र सरकार द्वारा संचालित की गई। इस योजना के तहत बेटियों को उनकी उच्च शिक्षा एवं विवाह के लिए आर्थिक मदद दी जाती है। यह स्कीम समाज में बेटियों को लेकर लोगों की सोच को बदलने का कार्य करेगी इसके साथ ही कन्या भ्रूण हत्याओं को कम करने का कार्य करेगी।

CBSE उड़ान स्कीम -

लड़कियों के लिए CBSE उड़ान योजना केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाई जाती है। इस योजना का फोकस पूरे भारत में प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग और तकनीकी कॉलेजों में लड़कियों के एडमिशन को बढ़ाना है। इस योजना में वे प्रयास शामिल हैं जो समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की छात्राओं के विशेष ध्यान के साथ सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए

किए जाते हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना -

इस योजना के माध्यम से सरकार छोटी बच्चियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके माध्यम से 10 साल से छोटी बच्ची को शिक्षा दी जायेगी और उनकी शादी की आयु में उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। यह योजना खासतौर पर उनकी उज्जवल भविष्य के लिए और अच्छी शिक्षा के लिए 2015 में शुरू की गई थी।

प्रधानमंत्री उज्वला योजना -

यह योजना महिलाओं को रसोई की सुविधा देने के लिए शुरू की गई है। इस योजना की शुरुआत 1 मई 2016 को की गई थी। इसके माध्यम से गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना है और इसका लाभ भारत के करोड़ों परिवार ले चुके हैं। आप इसके ऑफिशियल वेबसाइट का भी अवलोकन कर सकते हैं।

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना -

इस योजना की शुरुआत 2019 को की गई थी इसके अंतर्गत प्रसव के दौरान मां एवं बच्चे का अच्छे से देखभाल के लिए और उन्हें उचित पोषण प्रदान करने के लिए चालू की गई है। जिससे मां और बच्चा दोनों सुरक्षित रहें और नर्सों की देखभाल में प्रसव का कार्य हो।

फ्री सिलाई मशीन योजना -

इस योजना के माध्यम से महिलाओं को आवेदन करने पर फ्री में सिलाई मशीन दी जाती है जिससे वे कड़ाई - बुनाई करके अपना जीवन चला सकें और आत्मनिर्भर बने। इसका लाभ शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्र की महिलाएं ले सकती हैं और इस योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं की आयु 20 वर्ष से अधिक होना चाहिए।

प्रधानमंत्री समर्थ योजना -

इस योजना के माध्यम से महिलाओं को कार्यों के बारे में जानकारी दी जाती है जिससे महिलाएं नई-नई जानकारी ले सके। इससे महिलाएं भी व्यवसाय के क्षेत्र में कार्य कर पाएंगी और इसका फायदा महिलाओं को मिलेगा। जिससे महिलाएं खुद का व्यवसाय कर सकेंगी और आत्मनिर्भर बनेंगी।

हरियाणा की लाड़ली योजना -

लाड़ली योजना हरियाणा सरकार द्वारा समाज में बालिकाओं की स्थिति को बढ़ाने के लिए चलाई जाती है। यह

योजना अतिरिक्त रूप से यह सुनिश्चित करने पर ज़्यादा ध्यान देते हैं कि समाज की मानसिकता और बालिकाओं के प्रति रवैया इस तरह बदला जाए कि कन्या भ्रूण हत्या सहित सामाजिक कुरीतियों को समाप्त किया जा सके। यह योजना हरियाणा राज्य सरकार द्वारा 20 अगस्त 2015 शुरू की गई थी।

मध्य प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मी योजना -

मध्य प्रदेश लाड़ली लक्ष्मी योजना बालिका योजना है जो राज्य में बालिकाओं और महिलाओं की स्थिति में सुधार करना चाहती है। यह योजना वर्ष 2006 में शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकना था। लाभार्थी के अप्रूवल के बाद लाभार्थी के नाम पर पहले 5 वर्षों के लिए हर साल 6000 रू. के राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (NSC) खरीदे जाएंगे। इस निवेश में से 2000 रू. का निवेश 6 वीं कक्षा में लड़की के प्रवेश के बाद किया जाएगा और बाद में 9 वीं कक्षा में लड़की के प्रवेश पर 4000 का निवेश किया जाएगा।

UP BC Sakhi Yojana -

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकरी देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए UP BC Sakhi Yojana की शुरुआत की है। योजना की शुरुआत वर्ष 2020 में योगी सरकार द्वारा की गयी थी। इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार प्रदेश की महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

UP BC Sakhi Yojana के माध्यम से महिलाएं 6 माह तक 4000 रूपए कमा सकती हैं। इसमें उन्हें banking correspondent (बैंकिंग संवाददाता) का कार्य करना है। एक तरह से उन्हें बैंक प्रतिनिधि (Agent) के तौर पर कार्य करना है। इस तरह से महिलाओं को रोजगार का एक बेहतर अवसर मिलेगा। जिससे उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने में सहायता मिलेगी।

महिलाओं के लिए सरकारी योजना क्या है, इसकी सभी जानकारी आपको मिल गई होगी इन योजनाओं का लाभ देश की महिलाएं ले सकती हैं जिससे वे रोजगार के क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। जिससे महिलाओं को भी पुरुष के समान सम्मान एवं अधिकार मिल सकेगा और समाज में भी महिलाओं को सम्मान मिल सकेगा।

भगवान श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों को नहीं त्यागा : सुनीता अरिहंत

श्रीरामनवमीं चल समारोह एवं शोभायात्रा का विचार समिति ने स्वागत किया

शोभायात्रा की स्वागत करते हुए समिति के पदाधिकारी।

श्रीरामनवमीं चल समारोह एवं शोभायात्रा के पावन पर्व पर सागर शहर में विभिन्न स्थानों से शोभायात्रा निकाली गई। इस महाविशाल शोभायात्रा का विचार समिति के पदाधिकारियों ने कटरा स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार के सामने स्वागत किया साथ ही भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरूषोत्तम कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवनकाल में कई कष्ट सहते हुए भी मर्यादित जीवन का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों को नहीं त्यागा और मर्यादा में रहते हुए जीवन व्यतीत किया। इसलिए उन्हें उत्तम पुरूष का स्थान दिया गया। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि रामनवमी के दिन हिंदू परिवारों में व्रत-उपवास, पूजा पाठ व अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। श्रीराम के जन्म के समय पर उनके जन्मोत्सव का आयोजन किया जाता है और खुशियों के साथ उनका स्वागत किया जाता है।

स्वागत करने वालों में मुकेश जैन, मनोज जैन, रीतेश जैन, धवल कुशवाहा, सूरज सोनी, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, श्रीकांत प्रजापति उपस्थित थे।

अहिंसा का मार्ग अपना कर दुनिया को बचाया जा सकता है : कपिल मलैया

भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक की शोभायात्रा का विचार समिति ने स्वागत किया

शोभायात्रा का स्वागत करते हुए समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया व विचार टीम।

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2671वें जन्मकल्याणक पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा का कटरा स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार के सामने विचार समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

इस मौके पर विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि आज भी दुनिया के लिए भगवान महावीर स्वामी के उपदेश बहुत जरूरी हैं। अहिंसा का मार्ग अपना कर दुनिया को बचाया जा सकता है। वर्तमान में परिस्थितियां बहुत बिगड़ गई हैं। लोग हिंसा का मार्ग अपना कर अपना ही अहित करने लगे हैं। स्वदेशी वस्तु भंडार के सचिव अनिल अवस्थी ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी का संदेश 'जियो और जीनो दो' आज भी बहुत प्रासंगिक है। स्वदेशी वस्तु भंडार प्रबंधक सुनीता अरिहंत ने बताया कि भगवान महावीर के संदेशों को अपने जीवन में उतारकर सभी जीवों के प्रति हिंसा भाव से बचा जा सकता है तथा अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करने से किसी भी तरह का पाप भी नहीं लगेगा। कार्यक्रम में राजकुमार नामदेव, सौरभ रांधेलिया, नितिन पटैरिया, सूरज सोनी, मनोज जैन, रीतेश जैन, आकाश जैन, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, जवाहर दाऊ, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी भाग्यश्री राय, अरविन्द, ज्योति रैकवार, श्रीकांत प्रजापति उपस्थित थे।

भगवान हनुमान जी की भक्ति करने से सभी संकटों का अंत होता है : नितिन पटैरिया

हनुमान जयंती के अवसर पर विचार समिति ने स्वदेशी वस्तु भंडार कटरा में शोभायात्रा का स्वागत किया

शोभायात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया द्वारा स्वागत

हनुमान जयंती के अवसर पर विचार समिति ने स्वदेशी वस्तु भंडार कटरा में शोभायात्रा का स्वागत किया। इस शुभ अवसर पर समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने शोभायात्रा यात्रा का स्वागत करते हुए सभी भक्तों को शुभकामनायें दीं और यात्रा के दौरान चल रही भगवान हनुमान जी की झांकी का आरती कर स्वागत किया।

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि भगवान हनुमान को संकट मोचन कहा जाता है। हनुमान जी की भक्ति पूरी श्रद्धा के साथ जो श्रद्धालु करते हैं उनके सभी संकटों का प्रभु अंत कर देते हैं। हर वर्ष चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को हनुमान जन्मोत्सव के तौर पर मनाया जाता है।

धर्म रक्षा संगठन के अध्यक्ष सूरज सोनी ने जानकारी देते हुए कहा कि हनुमान प्रकट उत्सव सदर स्थित सिद्धेश्वर मंदिर कछियाना से यह शोभायात्रा हनुमान भक्तों के जयकारों के साथ प्रारंभ हुई। हनुमान जी की आरती और अन्य राजाराम की झांकियां बनी हुई थी जिनकी पूजा कर कर शोभायात्रा प्रारंभ की गई। यात्रा में बड़ी संख्या में भक्त आए हुए थे यात्रा में महिला अखाड़ा अपना करतब दिखा रहा था।

शोभायात्रा का जानकारी देते हुए धवल कुशवाहा ने बताया कि यह यात्रा सदर के मुख्य मार्गो से होती कबूला पुल, भगवानगंज

शोभायात्रा के दौरान तीनबत्ती पर भक्तों का उमड़ा जनसैलाब।

अप्सरा टॉकीज स्टेशन से डिंपल पैट्रोल पंप राधा तिराहा कटरा तीन बत्ती पहुंची जहां पर सभी झांकियों ने अपने अपने करतब दिखाएं सदर से लेकर तीन बत्ती तक पूरी यात्रा का भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर समिति सहायक मनोज जैन, आकाश जैन, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति दीदी, अरविन्द अहिरवार, श्रीकांत प्रजापति, जवाहर दाऊ उपस्थित थे ।

कपिल मलैया जी को व्यापार प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक बनने पर शुभकामनाएं एवं बधाई

कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मलैया को भारतीय जनता पार्टी के व्यापारी प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक एवं प्रभारी सागर संभाग नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से मध्य प्रदेश के समस्त व्यापारी वर्ग को लाभ मिलेगा एवं सरकार व व्यापारियों के बीच मध्यस्थता कायम रहेगी। कैट के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन मालथौन, उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, महामंत्री अनिमेष शाह, सुरेश होलानी, पंकज तिवारी, अजित समैया आदि ने बधाई दी एवं प्रदेश अध्यक्ष माननीय विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री माननीय हितानंद जी एवं प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल के प्रति आभार जताया।

रोजगार की तलाश कर लोगों को व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करें : राघवेन्द्र सिंह चंदेल

स्वावलंबी भारत अभियान की संभागीय बैठक संपन्न
भारत के 35 करोड़ युवा को स्वरोजगार देने का लक्ष्य

स्वावलंबी भारत अभियान एवं स्वदेशी जागरण मंच की बैठक मैजेस्टिक प्लाजा में संपन्न हुई।

स्वावलंबी भारत अभियान एवं स्वदेशी जागरण मंच की संभागीय बैठक होटल मैजेस्टिक प्लाजा में संपन्न हुई। कार्यक्रम दो सत्रों में सुबह 9.30 से शाम 5 बजे तक आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि राजेश जी विभाग प्रचारक सागर और विभाग कार्यवाह रामलाल पटेल थे।

बैठक में राघवेन्द्र सिंह चंदेल क्षेत्रीय संयोजक ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मंच के माध्यम से अपने उद्बोधन में कहा कि इसकी पहल अपने परिवार, संबंधी, मुहल्ला, नगर से करें। स्थानीय स्तर पर रोजगार की तलाश कर लोगों को व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रदेश संगठन मंत्री केशव दुबौलिया ने कहा कि नगर स्तर पर रोजगार सृजन केंद्रों की स्थापना एवं नौकरी को ही रोजगार न मानें बल्कि स्वरोजगार, कौशल विकास, स्थानीय उद्योग स्थापित कर, नौकरी करने वाला न बनकर नौकरी देने वाले बनें। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा संचालित होने वाली बेवसाइट - स्वदेशी/ jointswadeshi.com/ स्वदेशी जागरण मंच मध्यप्रदेश का उपयोग कर स्वरोजगार के क्षेत्र में जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हो सकते हैं।

मंच के प्रांत समन्वयक आलोक सिंह ने बताया कि छोटे-छोटे स्तर पर कम लागत में

कार्यक्रम में स्वावलंबी भारत अभियान एवं स्वदेशी जागरण मंच के सागर विभाग के सभी सदस्य उपस्थित हुए।

भी व्यवसाय कर बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। बिट्टू टिक्की वाला, लिज्जत पापड़, इंडियन काफी हाऊस इसके जीते-जागते उदाहरण हैं।

प्रांत सह समन्वयक सुश्री दीप्ति प्यासी ने स्वदेशी उत्पादन, उद्योग एवं कौशल विकास केंद्र की स्थापना, सहकारिता के क्षेत्र में रोजगार देने वालों का सम्मान करना आदि विषयों पर जोर दिया।

प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत कृषि आधारित उद्योग प्रदान देश है। आज से दस हजार वर्ष पूर्व भारत की हिस्सेदारी विश्व व्यापार में 32 प्रतिशत थी। अंग्रेजों ने हमें सुनियोजित तरीके से लूटा। सन् 2020 में विश्व व्यापार में हमारी भागीदारी मात्र 4.5 प्रतिशत रह गई। केवल नौकरी को ही रोजगार मानने की गलत परिभाषा हमारे समक्ष पेश की गई जबकि आज भी 75 प्रतिशत भारतीय स्वरोजगार पर निर्भर होकर अपना जीवन यापन बेहतर तरीके से कर रहे हैं। भारत विश्व में सबसे अधिक युवा जनसंख्या वाला देश है। युवा हमारी ताकत हैं।

कार्यक्रम में स्वावलंबी भारत अभियान एवं स्वदेशी जागरण मंच के सागर विभाग के सभी सदस्य उपस्थित हुए। सागर से जिला संयोजक राजकुमार नामदेव ने प्रदेश से पधारे अतिथियों का परिचय कराया। सह संयोजक श्रीमति अंजली दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर बृजेश शर्मा बीना, सुनील सागर, प्रवीण श्रीवास्तव रहली, निशांत पांडे रहली, राजेन्द्र खटीक, सुभाष जैन, प्रताप पटेल दमोह प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बुजुर्गों के कल्याण के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस और विचार समिति में समन्वय

विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया, देश प्रमुख भुवनेश सोनी, अनुष्का मलैया ने सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय के डायरेक्टर, सीनियर सिटीजन डॉ. एच.सी. श्रीधर चेन्नाकेशव रंगा रेड्डी से नई दिल्ली में भेंट की।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस यह राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान समाज रक्षा के क्षेत्र में एक नोडल प्राधिकरण एवं अनुसंधान संस्थान है। यद्यपि समाज रक्षा के अन्तर्गत सामाजिक सुरक्षा हेतु क्रियाकलापों एवं कार्यक्रमों का सम्पूर्ण स्वरूप आता है, फिर भी वर्तमान में यह नशीली द्रव्यों के दुरूपयोग की रोकथाम, वरिष्ठ नागरिकों तथा ट्रांसजेंडर्स के कल्याण, भीख निवारण तथा अन्य समाज रक्षा मुद्दों पर जोर दे रहा है। समिति सचिव आकांक्षा मलैया एवं समिति देश प्रमुख भुवनेश सोनी ने सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय के डायरेक्टर, सीनियर सिटीजन डॉ.एच.सी. श्रीधर चेन्नाकेशव रंगा रेड्डी से मुलाकात कर समिति द्वारा बुजुर्गो के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं में स्वस्थ्य संबंधी, योग शिविर, दंत शिविर, नेत्र शिविर एवं अन्य स्वास्थ संबंधी जागरूकता, पैदल चलने में दिक्कत होने वाले बुजुर्गो को छड़ी प्रदान करना, ठंड के मौसम में गरम कपडे बांटना, मनोरंजन के लिए हास्य के रंग कविताओं के संग, वृद्धा आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के साथ समय व्यतीत करना एवं उन्हें घुमाने ले जाना आदि का पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन

के माध्यम से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर डॉ.एच.सी. श्रीधर चेन्नाकेशव रंगा रेड्डी ने मार्गदर्शन देते हुए बताया कि किसी भी कार्य को करने से पूर्व उसकी संपूर्ण जानकारी होना आवश्यक है। गहराई से अध्ययन के पश्चात् लागू करने पर वह काफी प्रभावशाली होगा। समिति बुजुर्गों के जीवन स्तर को अच्छा बनाने पर कार्य कर रही है साथ ही वह एक बड़े स्तर पर कार्य कर सकती है। समिति की योजनाएं सागर के अलावा पूरे भारत के लिए प्रभावी रूप से कार्य कर सकें इस पर भी काम किया जाना चाहिए। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से बुजुर्गों को काफी लाभ मिल सकता है।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया एनआईएसडी सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के लिए एक केंद्रीय सलाहकार निकाय है। यह सामाजिक रक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण पर उत्कृष्टता केंद्र है। संस्थान सामाजिक रक्षा के क्षेत्र में निवारक, उपचारात्मक और पुनर्वास उपकरण, कार्यक्रम और नीतियां विकसित करता है। यह संस्थान वरिष्ठ नागरिकों को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाता है। देखा जाये तो वृद्धावस्था का समय काफी संघर्षशील होता है। सभी बड़े बुजुर्गों को जरूरत होती है सहारा, सहयोग, और स्नेह की। हमारे प्रयास है सभी को यह सब मिले। उनकी आवश्यक जरूरतों का ध्यान रखा जाए।

समिति देश प्रमुख भुवनेश सोनी ने सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय की जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान पूरे भारत में बुजुर्गों की देख-रेख का कार्य करती है। यहां से हमें सभी राज्यों की ब्यौरेवार जानकारी मिली। किस राज्यों में बुजुर्गो की क्या स्थिति है। डायरेक्टर, सीनियर सिटीजन रेड्डी ने मार्गदर्शन देने का आश्वाशन दिया है। इस परिचर्चा में अनुष्का मलैया उपस्थित रहीं।

विचार समिति की नई टीम का गठन

निरंतर तीन वर्षो से संचालित मोहल्ला विकास योजना बुंदेलखंड के परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु संचालित हैं। इस योजना का उद्देश्य सभी व्यक्तियों में सामाजिक दायित्व, परस्पर सहयोग, प्रेमविश्वास के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यावरण, संवर्धन व संरक्षण राष्ट्रीय भावना, नेतृत्व के साथ सही दिशा को अग्रसर करना जिससे वे सही मायनों में जीवनयापन कर सकें। इस योजना के सिद्धांतों के साथ व्यवहारिक जीवन में लाना इसका मुख्य उद्देश्य है। इस योजना में शहर के 128 मोहल्ला टीमों के 12,700 समिति परिवार कार्यरत है। यह प्रक्रिया निरंतर आगे की ओर अग्रसर है।

चमेली चौक वार्ड की महिलाओं ने विचार सेवकों के जनसंपर्क के माध्यम से मोहल्ला

चमेली चौक वार्ड की महिलाएं विचार समिति की मोहल्ला विकास योजना से जुड़ी ।

विकास योजना टीम बनाने का प्रस्ताव रखा। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने चमेली चौक पहुंचकर टीम गठन की प्रक्रिया को संपन्न कराया। उन्होंने समिति की जानकारी देते हुए महिलाओं को बताया हम एक सामाजिक समिति के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

हमारा लक्ष्य है लोगों के सामाजिक, बौद्धिक और आर्थिक जीवन में परिवर्तन लाना। उन्होंने महिलाओं को टीम की संरचना बताते हुए कहा कि 111 परिवार मिलकर एक मोहल्ला टीम जिसमें एक समन्वयक, 10 पालक तथा 100 परिवार सहभागी होते है। सभी सदस्यों की सहमति से रुकमणी सैनी को टीम का समन्वयक चयनित किया गया। समन्वयक रुकमणी सैनी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विचार समिति की कार्यप्रणाली से हम काफी प्रभावित हैं। समिति जमीनी स्तर के मुद्दों पर कार्य करती है। इसके साथ टीम गठन के जरिये नेतृत्व, जिम्मेदारियां, परस्पर सहयोग के गुणों का विकास होगा।

रोजगार सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। समिति के प्रयास उच्च स्तरीय हैं चाहे वह हथकरघा प्रशिक्षण हो या गोबर से बने दिए हों, जो स्थानीय स्वरोजगार के साथ देश के विकास में सहयोगी बनेगें।

चमेली चौक टीम की पालक नवीता अहिरवार, विनीता अहिरवार, हर्षा गुप्ता, मंजू रैकवार, कल्पना रैकवार, किरण नामदेव, सुमन ताम्रकार, वंदन ताम्रकार, कमला पवार, रश्मि पटैल है। इस मौके पर समिति से राहुल अहिरवार, माधव यादव, जवाहर दाऊ उपास्थित थे।

तैयार है आपके घर को सजाने गोमय दिये

सुंदर कलाकृतियों से निर्मित रंग-बिरंगे गोमय दिये व मोमेंटो।

गोबर के रंग बिरंगे दिए इस बार घर-आंगन रोशन करने के लिए तैयार किये जा रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण और स्व सहायता समूहों तथा मोहल्ला विकास योजना से जुड़ी महिलाओं को रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य से समिति ने गोबर से दिए को जरिया बनाया। पहली बार बाजार में रंग-बिरंगे दियों के साथ मोमेंटो, घड़ी, झूमर, मालाएं एवं लक्ष्मी जी गणेश जी की मूर्ति सहित अन्य कलात्मक चीजें महिलाएं बना रही हैं। समिति के सहयोग से इन महिलाओं ने गाय के गोबर को आर्थिक और सामाजिक स्थिति को मजबूत करने का जरिया बना लिया है।

समिति संगठक नितिन पटैरिया ने पूर्व में बताया था पूर्ण सफल परीक्षण पश्चात् हमारे दिए न ही आग पकड़ते है न ही तेल का रिसाव करते हैं। दिए शानदार डिजायन के साथ उपलब्ध है।

आप सभी को जरूर गोमय सामग्री का उपयोग करना चाहिए। एक शानदार अनुभव महसूस होगा। गोमय सामरानी कप जलाने से घर में हवन की खुशबू आती है। गोमय सामग्री से चहुंमुखी लाभ है। पर्यावरण संरक्षण के साथ ही इसे गमलों में खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। प्रकृति से जुड़ने का अवसर, महिलाओं के स्वरोजगार को बढ़ावा, इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायता मिलेगी। जो पैसा विदेशों में जाता हैं वह भी बचेगा। आप सभी यह सामग्री ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से खरीद सकते हैं। ऑनलाइन खरीदने के लिए www.vicharsamiti.in पर जाये shop पर click करें

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में लगाया विचार समिति ने इंटर इनवाइट स्टॉल

समिति ने सामाजिक क्षेत्रों में कार्यशीलता को बढ़ाने के लिए ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी सोनीपत एवं इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी नोएडा में इंटर्नशिप फेयर में इंटर इनवाइट हेतु स्टॉल लगाया। मेजबानी समिति सचिव आकांक्षा मलैया एवं देश प्रमुख भुवनेश सोनी के साथ अनुष्का मलैया ने की। विभिन्न विषयों से संबंधित छात्र से विषयवार बीए, एमए, बीबीए के साथ मीडिया एवं कम्युनिकेशन, लिब्रेशन एंड बिजनेस, साइकोलॉजी, पब्लिक पॉलिसी कम्युनिकेशन के छात्र अपनी रुचि के साथ समिति के लिए कार्य करेंगे।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी की जानकारी देते हुए बताया कि बहुअनुशासन, अनुसंधान उन्मुख, विश्वविद्यालय के कानून व्यवसाय और प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय मामलों, सार्वजनिक नीति, मानविकी पत्रकारिता कला और वास्तुकला बैंकिंग के साथ वित्त पर्यावरण का संरक्षण, मनोविज्ञान और परामर्श, भाषा और साहित्य और सार्वजनिक स्वस्थ मानव विकास पर कार्य करता है। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022 द्वारा भारत के नंबर वन निजी विश्वविद्यालयों के रूप में प्रथम स्थान दिया गया है। उन्होंने सभी छात्रों को समिति कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए

छात्रों को विचार समिति की गतिविधियों का परिचय देते हुए सचिव आकांक्षा मलैया, देश प्रमुख भुवनेश सोनी एवं अनुष्का मलैया।

शुभकामनाएं दी । उन्होंने बताया कि 26 छात्र-छात्राओं की टीम विषयों आधारित नीतियों पर कार्य करेगी। समिति देशप्रमुख भुवनेश सोनी ने बताया समिति सागर विकास के 360 डिग्री मॉडल पर कार्यरत है। भारत में बड़े स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है, उसके लिए छात्रों का सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ओ. पी. जिंदल विश्वविद्यालय की छात्रा अंशिका पालीवाल बी.ए. की छात्रा है और ब्रांडिंग और कम्युनिकेशन की विषय की पढ़ाई कर रही हैं। उनका कहना है समिति ने समाज को बेहतर बनाने के लिए बहुत ही उच्च स्तर के कार्य किए हैं। मैं आगामी समय में समिति की महत्वपूर्ण भूमिका को भारत वर्ष में देखती हूं। मुझे उम्मीद है कि अकादमिक स्तर, परियोजनाओं तथा नेतृत्व आदि में अहम योगदान के लिए कार्य कर सकती हैं।

समिति द्वारा इंटर्नशिप में रिसर्च पर वर्चुअल माध्यम से दिया जा रहा प्रशिक्षण

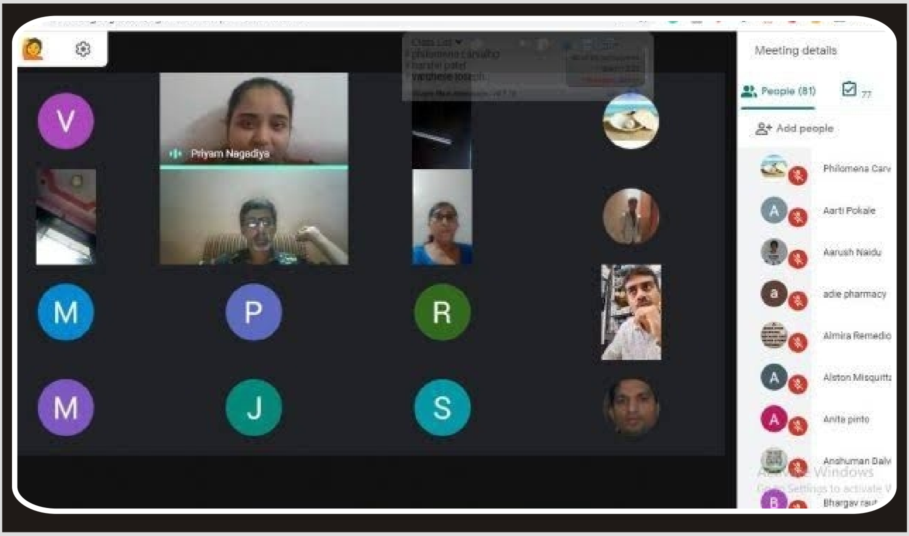

समिति ने छात्रों के पर्सनालिटी और कम्युनिकेशन स्किल को विकसित करने के लिए वंशिका महाना के मार्गदर्शन में वर्चुअल माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया जानकारी देते हुए बताया इंटर्नशिप में छात्रों को जमीनी स्तर पर कार्य करना, कैरियर स्पष्टता के साथ आत्मविश्वास को बढ़ाना इंटर्नशिप का मुख्य उद्देश्य है। मार्गदर्शिका वंशिका महाना ने इंटर्नशिप सेशन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया छात्रों को सबसे पहले हम रिसर्च पेपर कैसे बनाते हैं? रिसर्च पेपर क्या होता है? इसकी जानकारी दे रहे हैं। कई बार छात्रों का सिलेक्शन सिर्फ इसलिए नहीं हो पाता क्योंकि वे लिख नहीं पाते या तरीके से कार्य नहीं कर पाते। पहले सेशन में रिसर्च के तरीकों जिसमें प्रीराइटिग, राइटिंग, पोस्ट राइटिंग आदि की जानकारी के लिए तथ्यात्मक, किताबें, बेवसाइट, ब्लॉक, मासिक पत्रिकाएं, रिपोर्ट आदि। आस्ट्रैक जो एक मुख्य रूप से पूरी रिसर्च का सांरश होता है। रिसर्च का एक आवश्यक गुण होता बौद्धिक स्तर एवं सामान्य के लिए समझ आना चाहिए।

साइटेशन पर ध्यान देना आवश्यक होता है जिससे कॉपीराइट जैसी समस्याएं न आएं। हाइपोथियम दो प्रकार का होता है। सकारात्मक एवं नकारात्मक। इसके अंतर्गत वह जानकारी आती है जो हमें पहले से पता होती है और नहीं होती है। अंत में रिसर्च पेपर छात्रों को कॉलेज, नौकरी क्षेत्रों, बड़ी टीम के साथ मिलकर कार्य करने में काफी मददगार होगी। इंटर्न अदिति जैसवाल ने पहले सेशन के बारे में जानकरी देते हुए कहा पहले सेशन में रिसर्च को समझा साथ ही तथ्यात्मक रूप से कौन से तत्व लेने चाहिए।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 12-04-2022

भगवान श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी आदर्शों को नहीं त्यागा : सुनीता अरिहंत

श्रीरामनवमी शोभायात्रा का विचार समिति ने स्वागत किया

सागर| श्री रामनवमी के अवसर पर विभिन्न स्थानों से शोभायात्रा निकाली गई। शहर की हृदय स्थली तीन बत्ती कटरा में विभिन्न संस्थाओं द्वारा निकाली गई शोभायात्राओं का एकत्रीकरण हुआ। राधा तिराहे से लेकर तीन बत्ती तक शहर भगवामय हो गया। इस महा विशाल शोभायात्रा का विचार समिति के पदाधिकारियों ने कटरा स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार के सामने स्वागत किया। साथ ही भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवनकाल में कई कष्ट सहते हुए भी मर्यादित जीवन का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया। जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों को नहीं त्यागा और मर्यादा में रहते हुए जीवन व्यतीत किया। इसलिए उन्हें उत्तम पुरुष का स्थान दिया गया। मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि रामनवमी के दिन हिंदू परिवारों में व्रत-उपवास, पूजा पाठ व अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। स्वागत करने वालों में मुकेश जैन, मनोज जैन, रीतेश जैन, धवल कुशवाहा, सूरज सोनी, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया आदि मौजूद थे।

सागर| श्रीराम नवमीं पर निकली शोभायात्रा का स्वागत करते हुए विचार समिति के पदाधिकारी।

हिंसा का मार्ग अपनाकर स्वयं का अहित करना है: मलैया

सागर, आचरण। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2671वें जन्मकल्याणक पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा का कटरा स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार के सामने विचार समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस मौके पर विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि आज भी दुनिया के लिए भगवान महावीर स्वामी के उपदेश बहुत जरूरी हैं। अहिंसा का मार्ग अपना कर दुनिया को बचाया जा सकता है। वर्तमान में परिस्थितियां बहुत बिगड़ गई हैं। लोग हिंसा का मार्ग अपना कर अपना ही अहित करने लगे हैं।

स्वदेशी वस्तु भंडार के सचिव अनिल अवस्थी ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी का संदेश जियो और जीनो दो आज भी बहुत प्रासंगिक है। स्वदेशी वस्तु भंडार प्रबंधक सुनीता अरिहंत ने बताया कि भगवान महावीर के संदेशों को अपने जीवन में उतारकर सभी जीवों के प्रति हिंसा भाव से बचा जा सकता है तथा अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करने से किसी भी तरह का पाप भी नहीं लगेगा। कार्यक्रम में राजकुमार नामदेव, सौरभ रांधेलिया, नितिन पटैरिया, सूरज सोनी, मनोज जैन, रीतेश जैन, आकाश जैन, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, जवाहर दाऊ, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी भाग्यश्री राय, अरविन्द, ज्योति रैकवार श्रीकांत प्रजापति आदि उपस्थित थीं।

भगवान श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों को नहीं त्यागा: सुनीता अरिहंत

श्रीरामनवमीं चल समारोह एवं शोभायात्रा का विचार समिति ने स्वागत किया

सागर दिनकर

सागर। श्रीरामनवमीं चल समारोह एवं शोभायात्रा के पावन पर्व पर सागर शहर में विभिन्न स्थानों से शोभायात्रा निकाली गई। कटरा में आकर विभिन्न संस्थाओं द्वारा निकाली गई शोभायात्रा का एकत्रीकरण हुआ। राधा तिराहे से लेकर तीनबत्ती तक शहर भगवामय हो गया। इस महाविशाल शोभायात्रा का विचार समिति के पदाधिकारियों ने कटरा स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार के सामने स्वागत किया साथ ही भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरूषोत्तम कहा जाता है। क्योंकि उन्होंने अपने जीवनकाल में कई कष्ट सहते हुए भी मर्यादित जीवन का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों को नहीं त्यागा और मर्यादा में रहते हुए जीवन व्यतीत किया। इसलिए उन्हें उत्तम पुरूष का स्थान दिया गया।

मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि रामनवमी के दिन हिंदू परिवारों में व्रत-उपवास, पूजा पाठ व अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। श्रीराम के जन्म के समय पर उनके जन्मोत्सव का आयोजन किया जाता है और खुशियों के साथ उनका स्वागत किया जाता है। स्वागत करने वालों में मुकेश जैन, मनोज जैन, रीतेश जैन, धवल कुशवाहा, सूरज सोनी, राहुल अहिरवार, विनय चौरसिया, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, श्रीकांत प्रजापति आदि उपस्थित थे।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 15-04-2022

भगवान महावीर स्वामी के उपदेश बहुत जरूरी हैं, अहिंसा का मार्ग अपना कर दुनिया को बचाया जा सकता है: मलैया

सागर | जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी के 2671वें जन्मकल्याणक पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसका कटरा स्थित स्वदेशी वस्तु भंडार के सामने विचार समिति के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि आज भी दुनिया के लिए भगवान महावीर स्वामी के उपदेश बहुत जरूरी हैं। अहिंसा का मार्ग अपना कर दुनिया को बचाया जा सकता है। वर्तमान में परिस्थितियां बहुत बिगड़ गई हैं। लोग हिंसा का मार्ग अपना कर अपना ही अहित करने लगे हैं। स्वदेशी वस्तु भंडार के सचिव अनिल अवस्थी ने बताया कि महावीर स्वामी का संदेश जियो और जीनो दो आज भी बहुत प्रासंगिक है। स्वदेशी वस्तु भंडार प्रबंधक सुनीता अरिहंत ने बताया कि भगवान महावीर के संदेशों को अपने जीवन में उतारकर सभी जीवों के प्रति हिंसा भाव से बचा जा सकता है तथा अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करने से किसी भी तरह का पाप भी नहीं लगेगा। इस दौरान राजकुमार नामदेव, सौरभ रांधेलिया, नितिन पटैरिया, सूरज सोनी, मनोज जैन, आकाश जैन, राहुल, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी आदि मौजूद थीं।

दैनिक भास्कर सागर 21-04-2022

मलैया व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक बने

सागर| कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मलैया को भारतीय जनता पार्टी के व्यापारी प्रकोष्ठ का प्रदेश सह संयोजक एवं प्रभारी सागर संभाग नियुक्त किया गया है। कैट के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन मालथोन ,उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल ,महामंत्री अनिमेष शाह सुरेश होलानी,पंकज तिवारी अजित समैया ,आदि ने हर्ष जताया है।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर

सागर 17-04-2022

स्वावलंबी भारत अभियान की संभागीय बैठक में 35 करोड़ युवा को स्वरोजगार देने के लक्ष्य पर चर्चा

स्थानीय स्तर पर रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करें: राघवेंद्र सिंह

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वावलंबी भारत अभियान एवं स्वदेशी जागरण मंच की विभागीय बैठक होटल मैजेस्टिक प्लाजा में हुई। इसमें 35 करोड़ युवाओं को रोजगार देने के लक्ष्य पर चर्चा हुई।कार्यक्रम दो सत्रों में हुआ। विशिष्ट अतिथि विभाग प्रचारक राजेश और विभाग कार्यवाह रामलाल पटेल थे। क्षेत्रीय संयोजक राघवेंद्र सिंह चंदेल ने कहा भारत को आत्मनिर्भर बनाने की पहल अपने परिवार, संबंधी, मुहल्ला, नगर से करें। स्थानीय स्तर पर रोजगार की तलाश कर लोगों को व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करें। प्रदेश संगठन मंत्री केशव दुबौलिया ने कहा नगर स्तर पर रोजगार सृजन केंद्रों की स्थापना एवं नौकरी को ही रोजगार न मानें बल्कि स्वरोजगार, कौशल विकास, स्थानीय उद्योग स्थापित कर, नौकरी करने वाला न बनकर नौकरी देने वाले बनें। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा संचालित होने वाली बेवसाइट - स्वदेशी/jointswadeshi.com/स्वदेशी जागरण मंच मध्यप्रदेश का उपयोग कर स्वरोजगार के क्षेत्र में जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हो सकते हैं।

मंच के प्रांत समन्वयक आलोक सिंह ने बताया छोटे-छोटे स्तर पर कम लागत में भी व्यवसाय कर बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कई व्यापार इसके जीते-जागते उदाहरण हैं। प्रांत सह समन्वयक दीप्ति प्यासी ने स्वदेशी उत्पादन, उद्योग एवं कौशल विकास केंद्र की स्थापना, सहकारिता के क्षेत्र में रोजगार देने वालों का सम्मान करना आदि विषयों पर जोर दिया। सागर जिला संयोजक राजकुमार नामदेव ने प्रदेश से आए अतिथियों का परिचय कराया। संचालन सहसंयोजक अंजली दुबे ने किया। इस मौके पर बृजेश शर्मा बीना, सुनील सागर, प्रवीण श्रीवास्तव रहली, निशांत पांडे रहली, राजेन्द्र खटीक, सुभाष जैन, प्रताप पटेल दमोह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

75% भारतीय स्वरोजगार से जीवन-यापन कर रहे : मलैया

प्रांत सहसमन्वयक कपिल मलैया ने कहा भारत कृषि आधारित उद्योग प्रदान देश है। आज से दस हजार वर्ष पूर्व भारत की हिस्सेदारी विश्व व्यापार में 32 प्रतिशत थी। अंग्रेजों ने हमें सुनियोजित तरीके से लूटा। सन् 2020 में विश्व व्यापार में हमारी भागीदारी मात्र 4.5 प्रतिशत रह गई। केवल नौकरी को ही रोजगार मानने की गलत परिभाषा हमारे समक्ष पेश की गई जबकि आज भी 75 प्रतिशत भारतीय स्वरोजगार पर निर्भर होकर अपना जीवन यापन बेहतर तरीके से कर रहे हैं। भारत विश्व में सबसे अधिक युवा जनसंख्या वाला देश है। कार्यक्रम में स्वावलंबी भारत अभियान एवं स्वदेशी जागरण मंच के सागर विभाग के सदस्य मौजूद थे।

॥विचार समिति॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti
Bank- State Bank of India
Account No.- 37941791894
IFSC code- SBIN0000475
Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi
आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए
QR कोड को स्कैन करें.

BHIM UPI
VICHAR SAMITI
Pay With Any App
G Pay Paytm PhonePe WhatsApp amazon
150+ Apps
Powered By BharatPe

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com
Facebook : Vichar Sanstha
Youtube : Vichar Samachar
Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488
Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002